Basauri Sale 10.90 8,00,000/- Dumka Area Town A.D. 1-42 dec 934

5000Rs.

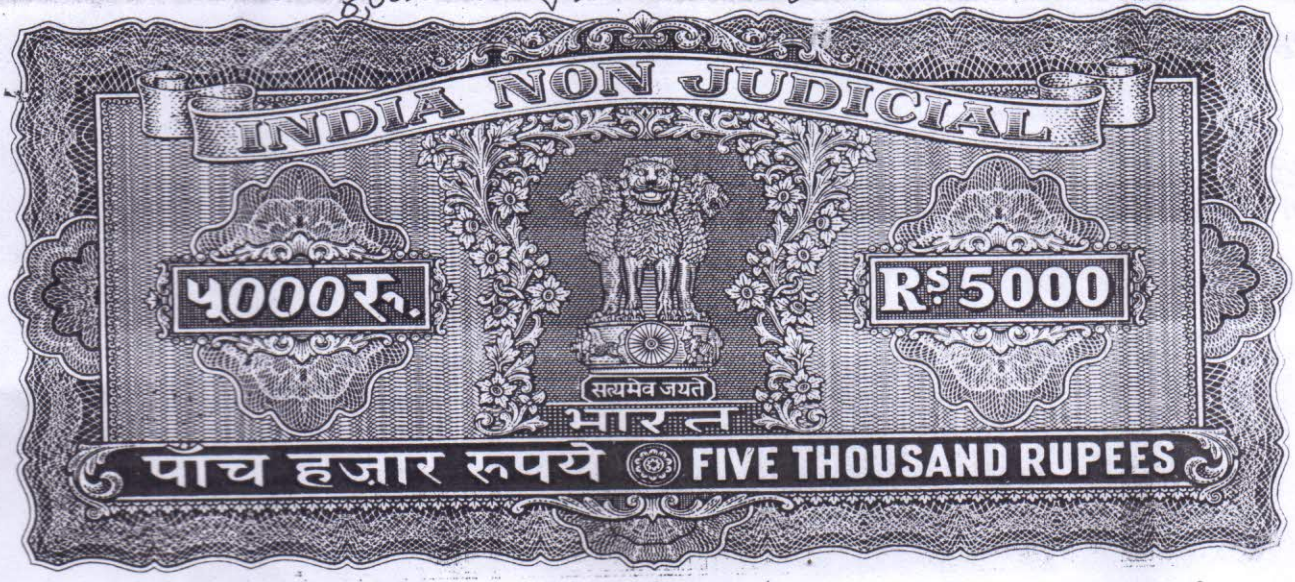




Rs 20,000/-

Fee Paid
AG 8000-00
MG 45-00
8045-00

Stamp 32000/-

23

26/12/07

Manik chandra Sarkar 26/12/07

Dilip Kr. Sarkar 26/12/07

# SALE - DEED

| | |
|---|---|
| नाम लेख्यकारीगण पिता का नाम वो निवास स्थान आदि । ( बिक्रेतागण ) | श्री माणिक चन्द्र सरकार वो 2. श्री दिलीप कुमार सरकार पेशरान- श्री ननीगोपाल सरकार, जाति-कायस्थ, पेशा- व्यवसाय, साकिनान-जिला स्कूल रोड, दुमका, थाना- दुमका टाउन, सवडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला - दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक । वर्त्तमान निवास स्थान- रयतल्ला, पत्रालय-फिंगापाड़ा, चौबीस परगना (उत्तरी) प० बंगाल-743129 |
| नाम लेख्यधारिणी पति का नाम वो निवास स्थान आदि । (क्रेत्री) | श्रीमती रीता देवी पति श्री भवानी दयाल गुप्ता, जाति- रौनियार वैश्य, पेशा- गृहिणी, साकिन- जिला स्कूल रोड दुमका, थाना- दुमका टाउन, सवडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला - दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक । |

गवाह
Subodh Kumar Singh
Bar Bandh Road
Dumka
26/12/07

गवाह
26-12-07

Self Attested
B.D. Gupta

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES



**लेख्य प्रकार :- बिक्रय-पत्र ( Sale - Deed )**

संम्पति का मूल्य :- मो0 8,00,000/- (आठ लाख) रूपये मात्र।

**सम्पत्ति का पूर्ण विवरण, जिसे विक्रय करते हैं।**

तफसील हक बसौड़ी स्वत्व की जमीन पर बना पुराना एकतल्ला मकान मय चहारदीवारी कुआँ वो लैटरीन जों करीब तीस वर्षो पुराना है जो 600 वर्गफीट पर निर्मित है, मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि वाँके मौजा नया दुमका नं0 - 7, थाना दुमका टाउन, सबडिविजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका, जिला दुमका का तौजी नं0 6 बसौड़ी का जमाबन्दी नम्बर 19/3 दुमका नगरपालिका वार्ड नं0 07 हो0 नं0 147 नया वो पुराना हो0 नं0 128 जिसका मानचित्र दस्तावेज में संलग्न है जिसमें बिक्रीत सम्पत्ति को लाल रंग से दर्शाया गया है जिसका दाग नं0, चौहद्दी, निम्न प्रकार है :-

| दाग नम्बर | चौहद्दी | किस्म बी.क.धु. |
|---|---|---|
| 942 का अंश। | उत्तर - 03 फीट खास बाद 03 फीट गली बाद विभूति मंडल का मकान।<br>दक्षिण - दिवाल बाद मकान भगवान केशरी बगैरह।<br>पुरब - हरिनन्दन भगत बगैरह का मकान।<br>पश्चिम -नाला बाद नगरपालिका रास्ता (गली)। | इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की जमीन पर बना पुराना एकतल्ला मकान मय चहारदीवारी मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकवा - मवाजी - 00-00-17 0 - 1.42 डीसमिल |

सतरह धूर मात्र। सलाना खजाना मोताबिक रसीदी।

Manik Chandra Sarkar 26/12/07

Dilip Kr. Sarkar 26/12/07

गवाह

Santosh Kumar Mandal
Har Sabha road
Dumka
26/12/07

Self Attested
B D Gupta

5000Rs.

विदित हो कि उपरोक्त सम्पति पंजी 2 में खाता नं0 19/3 दाग नं0 942 कुल रकवा 03 कट्ठा 08 धूर बाबूलाल साह के नाम दर्ज सम्पत्ति है। जिसे बाबूलाल साह के मृत्यु के पश्चात् उनके वारिसगण भगवान प्रसाद केशरी पिता स्व0 दुखन साह, शंकुतला देवी पति स्व0 डोमन प्रसाद केशरी, वो नाबालिक श्री प्रकाश साह, मनोज साह, सुमन साह पिता स्व0 डोमन प्रसाद केशरी गार्जियन माता शकुन्तला देवी तथा तारा देवी, दुर्गा देवी वो ननीया देवी ने वारिस सूत्र से प्राप्त किया। वर्त्तमान में उपरोक्त खाता नं0 5 में वर्णित सम्पत्ति रकवा 17 धूर जमीन लेख्यकारीगण द्वारा स्वउपार्जित [?] खरीदगी सम्पति है। जिसे लेख्यकारीगण ने बजरिये विक्रय पत्र सं0 6537 जिल्द सं0 30 पृष्ट सं0 270 से 272 पुस्तक सं0 1 सन् 1975 ई0 जिसकी रजिस्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है, के द्वारा श्री भगवान प्रसाद केशरी बगैरह से रकवा 17 धूर जमीन अपने नाम से क्रय [?] कर बिना

Self Attested
BD

Monika Chandra Sarkar 26/12/07

Dilip Kr. Sarkar 26/12/07

5000Rs.

किसी विघ्न-बाधा के सम्पत्ति का भोग दखल करते आ रहे हैं । उपरोक्त सम्पति लेख्यकारीगण के दखल कब्जा में निर्विवाद रूप से है तथा इसे बिक्रय करने का लेख्यकारीगण को सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है ।

वर्त्तमान में लेख्यकारीगण को सांसारिक खर्च आदि के लिए रूपये का सख्त दरकार है वो बिना बिक्रय किए उपरोक्त बसौड़ी सम्पत्ति के रूपये का मिलना कठिन है, इसलिए लेख्यकारीगण ने उपरोक्त सम्पति को बिक्रय करने का शोहरत किया, जिसे आप क्रेत्री ने देखा वो मो0 8,00,000/- रूपये में क्रय करने की इच्छा बिक्रीदार पर प्रगट किया । यह कीमत वाजिब कीमत है और इस समय के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया है, अतः लेख्यकारीगण बिक्रेता ने उक्त सम्पति को उक्त मूल्य में आप क्रेत्री को बिक्रय करने की अपनी रजामंदी जाहिर की । इस प्रकार इस सम्पति का मूल्य 8,00,000/- आठ लाख रुपये तय हुआ । इसलिए लेख्यकारीगण

5000Rs.

( 5 )

बिक्रेता आज अपनी-अपनी खुशी राजी, अपने मन-मस्तिष्क एवं शरीर के इंद्रियों की स्वस्थ दशाओं में बिना कोई दबाव वो बहकाव प्रसन्नचित एवं स्वच्छन्द वातावरण में क्रेत्री से उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो0 8,00,000/- (आठ लाख) रुपये बैंक चेक सं0 0231813 दिनांक 26.12.2007 भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा दुमका द्वारा निर्गत से 4,00,000/- (चार लाख) रुपये श्री माणिक चन्द्र सरकार के नाम तथा बैंक चेक सं0 0231814 दिनांक 26.12.2007 भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा दुमका द्वारा निर्गत से 4,00,000/- (चार लाख) रुपये श्री दीलीप कुमार सरकार के नाम से लेकर वो प्राप्त कर खाना नम्बर पाँच की बर्णित सम्पत्ति को क्रेत्री के हाथ बेचा वो बैला कलामी किया तथा बिक्रीत सम्पति का सम्पूर्ण मूल्य प्राप्त किया कुछ भी बांकि नहीं रहा । भविष्य में मूल्य न प्राप्त करने का दावा अमान्य वो वातिल होगा । यह कि लेख्यकारीगण बिक्रेता द्वारा मूल्य का

Manik Chandra Sarkar 26/12/07

Dilip Kr. Sarkar 26/12/07

Self Attested
B.D. Gupta

5000Rs.

सम्पूर्ण रुपया आप क्रेत्री से प्राप्त कर उक्त सम्पति को आप क्रेत्री के पक्ष में बिक्रय कर दिया तथा लेख्यकारीगण बिक्रेता ने उक्त सम्पति का स्वामित्व अधिकार वो कब्जा वजिनसहुँ (Exactly) आज की तारीख से अपने तुल्य अधिकार करा दिया, यानि दखल दे दिया। इस सम्पति पर लेख्यकारीगण बिक्रेता को जो स्वामित्व अधिकार प्राप्त है वो जो भविष्य में प्राप्त होता वो सभी स्वामित्व एवं अधिकार वजिनसहुँ आप क्रेत्री को आज की तिथि से प्राप्त हो गया।

यह सम्पत्ति हरेक वारदेन से पाक-साफ है यानि हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है। फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का हाल या प्राचीन ऋण-भार पाया जाय अथवा किसी किस्म का झंझट बखैड़ा पैदा हो जिससे क्रेत्री को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी अंश से बेदखल होना पड़े ऐसी हालत में बिक्रेता मय वारिसान हर्जाना आदि भुगतान

Self Attested
BD Gupta

करने के लिये बाध्य रहेंगे ।

अब चाहिए कि क्रेत्री उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवा कर खुद का नाम दर्ज करा लेवें वो साल-ब-साल सिरीस्ते में खजाना देकर वसूली का रसीद अपने नाम से प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल, दान-बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहे करें, इसमें बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर-आपत्ति नहीं होगी, न कमी कर सकेगें अगर कोई आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति उचित न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी ।

लेख्यकारीगण बिक्रेता अपनी राजी खुशी से प्रसन्नचित स्वस्थ मस्तिष्क की स्वस्थ दशा में रहकर आप क्रेत्री महोदया श्रीमती रीता देवी पति श्री भवानी दयाल गुप्ता से उक्त सम्पति का मूल्य का सम्पूर्ण रुपया प्राप्त कर यह बिक्रय पत्र आप क्रेत्री के पक्ष में लिख दिया जो प्रमाण रहे तथा समय

Self Attested

1000Rs.

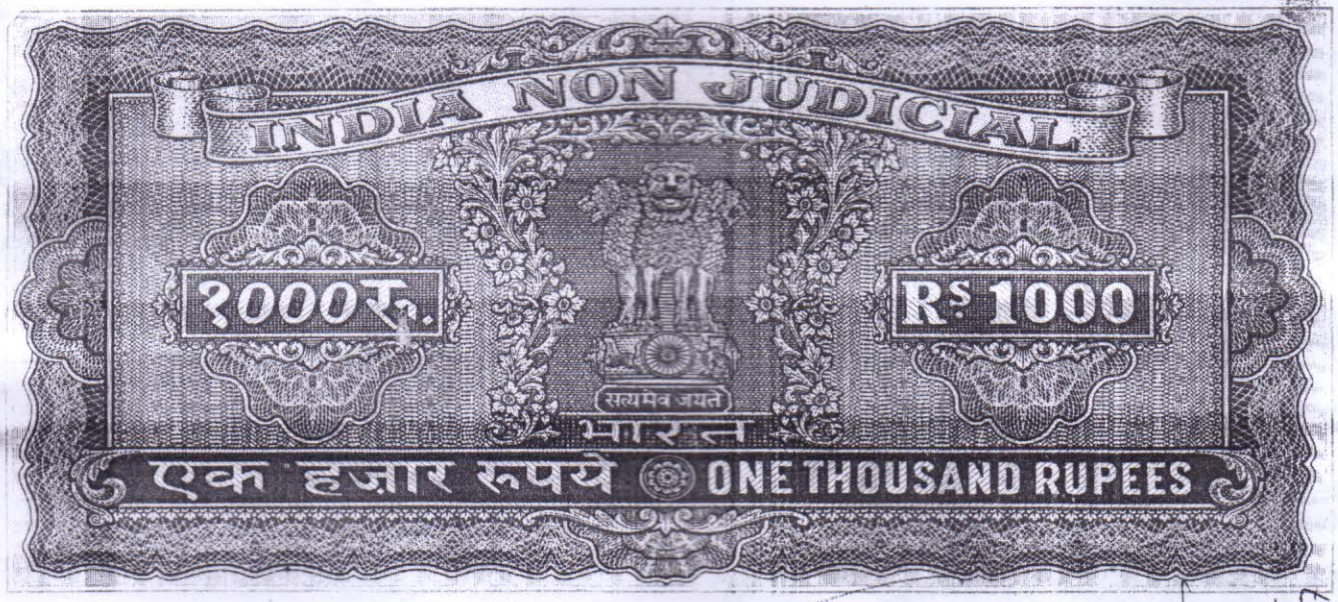




(8)

पर काम आवे। इति आज तारीख :- 26.12.2007 ई0।

( कम्प्यूटर द्वारा टाईप किया )

मूल दस्तावेज द्वितीय दस्तावेज का हु-ब-हु एवं सच्ची प्रतिलिपि है।

लेख्यकारी

DILIP KR. SARKAR



लेख्यकारी

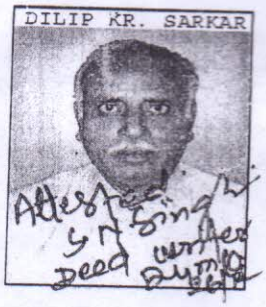

Smt- Rita Devi

Dilip Kr. Sarkar
26/12/07

रीता देवी
26.12.06

Dilip Kr. Sarkar
26/12/07

कातिब दस्तावेज :-
सुनेश्वर नायक
साकिन - दुमका टाउन, दस्तावेज का मजमून तैयार किया, अंकित कराने के बाद पढ़कर लेख्यकारी गण को सुना व समझा दिया। लेख्यकारी गण ने मेरे सामने अपना-अपना हस्ताक्षर किया।
सुनेश्वर
26/12/07

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया चित्र दस्तावेज में लगा है के बायें हाथ की उँगलियों का निशान मेरे द्वारा लिया गया है।
सुनेश्वर नायक
दस्तावेज नवीस, दुमका
26/12/07

Self Attested

SITE PLAN OF MAP OF MOUZA DUMKA TOWN NO 7 P.S. DUMKA TOWN, SUB-DIV & - DISTRICT DUMKA TOUZI NO 6, WARD NO 7 HOLDING NO - . . . , BASURI J.B NO . . . . . PLOT NO 942/PART AREA B. K. D 0-0-17 OR - A. D 0-1.42, LAND PURCHASED BY - MANIK CHANDRA SARKAR AND DILIP KUMAR SARKAR BOTH S/S/O SHRI NANIGOPAL SARKAR of ZILA SCHOOL ROAD DUMKA. FROM AND SOLD BY SMT RITA DEVI W/O SHRI BHAWANI DAYAL GUPTA OF ZILA SCHOOL ROAD DUMKA,

PURCHASED LAND SHOWN IN RED THUS

PLOT NO 942 (PART)
AREA - B. K. D 0- 0-17 OR A. D 0- 1.42 DICIMAL

BOUNDARY:-
NORTH - 3'-0" KHAS 3' MUNICIPAL LANE THEN AFTER HOUSE OF BIBHUTI MANDAL.
SOUTH:- AFTER WALL THEN HOUSE OF BHAGWAN KESHRI & OTHERS.
EAST - HOUSE OF HARI NANDAN BHAGAT & OTHERS.
WEST:- AFTER LANE RASTA (GALLI)

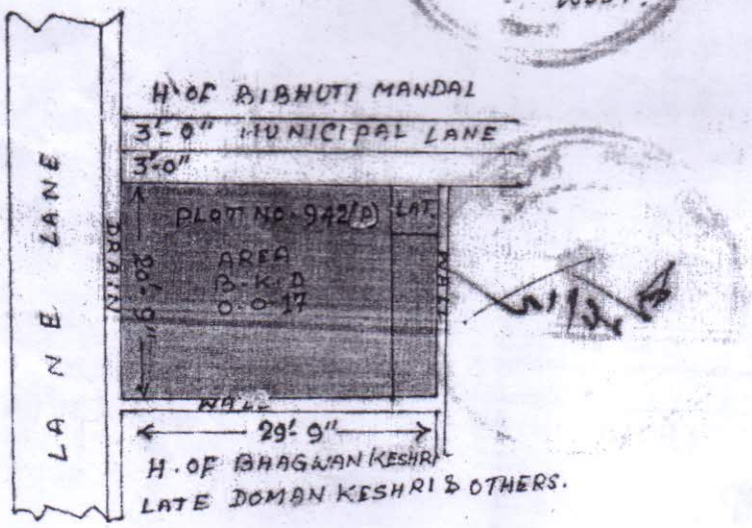




Manik Chandra Sarkar
26/12/07

The original plan is true and the exact copy of the duplicate plan.
Jay Ram mandal
Amin Dumka

Dilip Kr-Sarkar.
26/12/07